फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 266 प्रभात जयपुर, शनिवार 29 अप्रेल , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The Afterglow Remains

Generals never die, they just fade away. In General Ajai's case he leaves behind an afterglow.

The Scholar-Warrior Of The Superior Kind

My Uncle Ajai Kaka | Gogoi had major differences with both Sinha and Singh on the issue of Bangladeshi infiltration

सदर्न स्कॉटलैंड के एक प्राइवेट एस्टेट में, अन्य स्थानों से स्थानांतरित गोल्डन ईगल्स को प्रजनन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, वृक्षों पर बहुत ऊंचाई पर दो कृत्रिम आयरीज़ (ऊँचाई पर बना बाज़ या चील का विशाल घोंसला) रखे गए हैं। ऊँचाई पर चढ़ने में दक्ष लोगों ने ड्यूक ऑफ नॉर्थम्बरलैंड के बर्नकासल एस्टेट में उस क्षेत्र के पास, दुर्गम स्थानों पर कृत्रिम घोंसले बनाए हैं, जहाँ सैटेलाइट टैग वाले तीन युवा गोल्डन ईगल देखे गए हैं। निजी भूमि पर पहली बार ऐसे घोंसले रखे गए हैं। यहाँ के 17 से अधिक एस्टेट्स, साउथ ऑफ स्कॉटलैंड गोल्डन ईगल प्रोजैक्ट का समर्थन कर रहे हैं। स्थानान्तरण की वजह से अब यहाँ गोल्डन ईगल के 38 जोड़े हो गए हैं, जो कि तीन सदियों में सर्वाधिक हैं। घोंसले इस प्रकार से डिजाइन किए गए हैं जिससे ईगल्स अपनी टैरिटरी स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हों और आगामी वर्षों में प्रजनन करें। प्रौजैक्ट के अध्यक्ष, माइकल क्लार्क ने कहा, ''क्षेत्र के सर्वोच्च परभक्षी के रूप में गोल्डन ईगल इकोसिस्टम को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार होते हैं। वे उन सभी प्रजातियों का सरवाइवल और समृद्धि सुनिश्चित करते हैं, जो उनका भोजन हैं और इकोटूरिज़्म के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।'' नार्थम्बरलैंड के ड्यूक ने कहा कि, गोल्डन ईगल सदर्न स्कॉटलैंड में फिर से बस गए हैं, इससे वे बेहद खुश हैं। एस्टेट इन पक्षियों की मदद करने और आयरीज़ बनाने के लिए काफी उत्सुक हैं।'' अवैध तरीके से गोल्डन ईगल को मारे जाने से हाइलैंड्स में गोल्डन ईगल की भारी कमी हो गई थी। वर्ष 2018 में, जब प्रोजैक्ट शुरू नहीं हुआ था, तब डम्फ्रीज़ और गैलोवे के बीच गोल्डन ईगल के 2-4 जोड़े ही बचे थे। प्रोजैक्ट के तहत 7 वयस्क एवं 18 अवयस्क गोल्डन ईगल को हाईलैंड्स से सफलतापूर्वक स्कॉटलैंड के दक्षिण में स्थानान्तरित किया गया है, इनकी उम्र 6 माह से तीन साल के बीच है। इंग्लैंड में गोल्डन ईगल का अंतिम आवास 2015 में लुप्त हो गया था। नए घोंसले बर्न कासल और वैस्टर्न लैमरम्यूर में उस जगह बनाए गए हैं जहां 18 माह की दो मादाएं व एक नर देखा गया था। वर्ष 2018 में यहाँ पहली बार जिन पक्षियों को छोड़ा गया था वे भी घोंसलों का उपयोग कर अपनी टैरटरी बना सकते हैं। गोल्डन ईगल 3-4 साल के होने पर प्रजनन करते हैं।

अमूल को ''साऊथवर्ड पुश'' की नीति त्यागनी पड़ेगी?

लोकल ब्राण्ड्स, जैसे नन्दिनी, केरल के मिल्मा तथा तमिलनाडू के आविन के पक्ष में अमूल का विरोध तीव्र हुआ

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। लगभग 25 साल पहले, 1998 में ''प्याज'' जैसी मामूली चीज ने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के आँसू ला दिये थे तथा सरकार गिर गई थी क्योंकि प्याज के भाव आसमान छूने लगे थे। और वाजपेयी सरकार प्याज की कीमतों को बढ़ने से रोक नहीं पाई थी। दरअसल, सरकार अनुभवहीन थी तथा समय रहते प्याज का आयात नहीं कर सकी। और विपक्षी कांग्रेस ने सरकार को घरने के लिये इस मुद्दे का प्रभावी उपयोग किया था।

अगर प्याज जनित उस राजनैतिक संकट का मुख्य कारण मौसम की मनमानी तथा आंशिक रूप से, प्याज संकट को सँभालने में सरकार की अक्षमता रही थी, तो कर्नाटक की भाजपा सरकार ने दूध-संकट और इससे जुड़े विवाद को स्वयं आमंत्रित किया है तथा इस चुनाव में यह संकट और सरकार का पीछा नहीं छोड़ रहा है, उसे बहुत परेशान कर रहा है।

कर्नाटक में, सजग और सतर्क कांग्रेस ने दूध, बल्कि दूध-व्यवसाय विवाद को अपने आक्रामक प्रचार का ज्वलंत मुद्दा बना लिया है तथ बासवराज बोम्मई सरकार को बैकफुट पर पहुँचा दिया है।

विभिन्न ताकतों, ''अमूल'' ब्रान्ड के मालिकों और कर्ताधर्ताओं तथा कर्नाटक एवं केन्द्र सरकारो के साफ इनकार के बावजूद, कर्नाटक में दूध-युद्ध जोर पकड़ चुका है। केन्द्र एवं राज्य सरकार तथा ''अमूल'' प्रतिष्ठान लगातार कहते आ रहे हैं कि अमूल द्वारा कर्नाटक के स्थानीय ब्रान्ड ''नन्दिनी'' के अधिग्रहण की कोई कोशिश नहीं हो रही है, इसके बावजूद, कर्नाटक मिल्क कोऑपरेटिव को दूध की सप्लाई करने वाले लाखों किसानों के मन में यह डर बैठ गया है कि अगर गुजरात मिल्क कोऑपरेटिव, जो अमूल ब्रांड का

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- इन जन आंदोलनों को हवा मिली है, आंध्र के अनुभव से। आंध्र के दुग्ध उत्पादकों का मानना है कि, आंध्र की सरकार प्रदेश से दूध इकट्ठा करके अमूल को बेच रही है।
- आंध्र सरकार की इस कार्यवाही से आंध्र के दुग्ध उत्पादकों को कोई लाभ नहीं हो रहा बल्कि नुकसान ही हो रहा है। एक पूर्व मंत्री ने तो यह आरोप भी लगाया राज्य सरकार पर कि, स्थानीय दुग्ध उत्पादकों की सहकारी समितियों की सम्पत्ति भी राज्य सरकार अमूल को बेच रही है।
- इस अमूल विवाद ने कर्नाटक में इतना जोर पकड़ा कि, पूर्व मु.मंत्री सिद्धारमैया ने सार्वजनिक भाषण दिया कि, कन्नड़ भाषियों को अमूल उत्पादनों का बहिष्कार करना चाहिये। कुछ रैस्टोरैंट व होटलों ने इस अपील का आदर करते हुए अमूल ब्राण्ड की चीजें खरीदना बंद कर दिया है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'अगर शिकायत दर्ज नहीं भी हो, आप ''हेट स्पीच'' के खिलाफ स्वयमेव मामला दर्ज करें'

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों को यह आदेश दिया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के संरक्षण की दिशा में एक प्राथमिक कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2022 के अपने आदेश का आज दायरा बढ़ाया। इसके तहत दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड पुलिस को निर्देश दिए गए कि वे हेट स्पीच के केसों के विरूद्ध स्व-प्रेरित कार्यवाही करें। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए कि यदि कोई शिकायत दर्ज ना हों, तब भी वे हेट स्पीच के केसों के विरूद्ध कार्रवाई करें। कोर्ट ने चेतावनी कि केसों को दर्ज करने में यदि विलम्ब हुआ तो उसे अदालत की अवमानना समझा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच अपराधों को लेकर दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इसे एक गंभीर प्रकृति के अपराध की संज्ञा दी। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि हेट स्पीच देश के धर्म निरपेक्ष ताने बाने को प्रभावित करने की ताकत रखती है। बैंच ने इससे पहले अदालत की अवमानना को लेकर दायर एक याचिका पर महाराष्ट्र सरकार से जवाब देने को कहा। इस याचिका में राज्य सरकार पर आरोप लगाया गया

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस आदेश में आगे यह भी कहा कि, अगर राज्य सरकारों ने मुकदमा दर्ज करने में विलम्ब किया तो, उन राज्य सरकारों के खिलाफ न्यायालय के आदेश की अवमानना का केस दायर होगा।
- सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में आगे यह भी कहा कि, हर जिले में इस काम के लिये एक ''नोडल अफसर'' नियुक्त होना चाहिये तथा सोशल मीडिया से ''हेट स्पीच'' हटाने की प्रक्रिया भी निर्धारित कर लेनी चाहिये।
- सुप्रीम कोर्ट इस सिलसिले में दायर मुकदमे की अगली सुनवायी 12 मई को जारी रखेगा।

'यह कैसी याचिका है और आप कौन हैं?'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने शिव सेना से संबंधित एक याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया। इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया था कि वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिव सेना की सभी सम्पत्तियों को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका कर्ता आशीष गिरी के ''लोकस'' पर सवाल किया और शिव सेना की सम्पत्ति ठाकरे गुट से लेकर शिंदे गुट को सौंपने की याचिका खारिज कर दी।

'मेरी मां के लिए जम्मू में सही व्यवस्था नहीं की गई'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर की पैंथर्स पार्टी के मुख्य संरक्षक अंकित लव ने शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष विलक्षण सिंह पर उनकी माँ जयमाला की मृत्यु का दोषारोपण किया तथा कहा कि उन्होंने उनकी माँ के जम्मू में रहने की उचित व्यवस्था नहीं की थी। उन्होंने कहा कि विलक्षण सिंह अपने पद से अविलम्ब इस्तीफा दें।

- नैशनल पैंथर्स पार्टी में चीफ पेट्रन अंकित लव ने अपनी मां जयमाला की मौत के लिए पार्टी अध्यक्ष विलक्षण सिंह को दोषी ठहराया। ज्ञातव्य है कि, अंकित ब्लैक लिस्टेड हैं और कोशिश कर रहे हैं, उन्हें भारत आने की अनुमति मिल जाए।

अंकित ने कहा, ''जयमाला को, बिना किसी देख-रेख के, सीढ़ियों पर अकेले क्यों जाने दिया गया तथा उन्हें एक-मंजिला बँगले में क्यों नहीं रखा गया, जबकि यह मालूम था कि वे लकवे

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कुश्ती फैडरेशन के मुखिया के खिलाफ अन्ततोगत्वा एफ.आई.आर. दर्ज हुई

महिला कुश्ती प्लेयर्स, जो जंतर-मंतर पर छः दिन से धरने पर बैठी थीं, ने इसे जीत की दिशा में पहला कदम बताया

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने के दिल्ली पुलिस के निर्णय के बाद, दिल्ली के जन्तर मन्तर पर प्रदर्शन कर रहीं महिला पहलवानों ने इस प्रगति को ''विजय की तरफ पहला कदम'' कहा है। लेकिन उन्होंने यह निर्णय भी लिया है कि भाजपा सांसद सिंह को उनके सभी पदों से हटाये जाने की माँग पर जोर देने के लिये वे प्रदर्शन जारी रखेंगी।

सत्तारूढ़ दल भाजपा पर यह आरोप है कि वह सिंह के राजनैतिक प्रभाव एवं दबदबे के कारण, उनके

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जम्मू में महिला कॉन्स्टेबल पहली बार रात्रि गश्त पर

जम्मू, 28 अप्रेल। जम्मू पुलिस ने महिला नशा तस्करों पर नजर रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जरुरतमंद महिलाओं की मदद के लिए महिला कॉन्स्टेबलों को तैनात किया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि, यह पहला मौका है जब रात के समय भीड़ वाले इलाकों में महिला कॉन्स्टेबलों की तैनाती की गयी है। प्रत्येक जांच चौकी पर रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक दो महिला कर्मियों को तैनात किया जा रहा है।

- महिला तस्करों से आम गृहणियों को राहत प्रदान करना इस निर्णय का आधार है।

उन्होंने बताया कि, अब तक शहर के क्षेत्र में 12 प्रमुख जांच चौकियों पर महिला कॉन्स्टेबलों को न केवल किसी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पायलट खेमे के विधायक बोले, नई पार्टी नहीं बनाएंगे हम लोग, कांग्रेस में ही सदा रहेंगे!

वेदप्रकाश सोलंकी ने कहा, कुछ नेता चाहते हैं कि, इस तरह की बातें करके सचिन पायलट को किसी न किसी तरह दरकिनार किया जाये

जयपुर, 28 अप्रेल (का.प्र.)। राजस्थान में जुलाई 2020 के बाद से सचिन पायलट को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि कांग्रेस उन्हें कुछ देगी या वे कोई नया कदम उठाने जा रहे हैं। पिछले दिनों 11 अप्रैल को जब वसुंधरा सरकार के भ्रष्टाचार के मुद्दों के खिलाफ जब सचिन पायलट ने अनशन किया था तब उनको लेकर प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के तल्ख बयान आए, तो लगा कि पार्टी उन पर कार्यवाही करने जा रही है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उसके बाद कई जगह ऐसी चर्चाएं हुईं कि पायलट नई पार्टी बनाने जा रहे हैं। हालांकि पायलट ने खुद कभी ऐसी चर्चा नहीं की, ना हीं उन्होंने कभी इंकार किया, लेकिन अब पायलट खेमे के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने नई पार्टी बनाने से इनकार करते हुए कहा है कि पायलट कांग्रेस में रहेंगे। वहीं उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता उन्हें टारगेट कर रहे हैं।

दूसरी ओर राजस्थान में कांग्रेस की नई सह प्रभारी अमृता धवन ने कहा है कि गहलोत के राज में रामराज्य है। वहीं उन्होंने पायलट को लेकर कहा कि वह भी पार्टी की एसेट है।

शुक्रवार को पायलट कैंप के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने पायलट के नई पार्टी बनाने की बात से साफ इनकार करते हुए कहा कि ''यह केवल बड़े नेताओं का शिगूफा है कि पायलट को कैसे दरकिनार किया जाए। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट पार्टी नहीं छोड़ रहे, वह पार्टी में रहेंगे। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा है। वह पहले ही क्लियर कर चुके हैं।'' सोलंकी ने कहा कि कुछ नेता चाहते हैं कि इस तरह की बातें करके सचिन पायलट को कैसे दरकिनार किया जाए, लेकिन सचिन पायलट को दरकिनार करने से सरकार में वापसी संभव नहीं होगी। जब सब

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- एआई.सी.सी. द्वारा नव नियुक्त सह प्रभारी अमृता धवन बोलीं, गहलोत के राज में रामराज्य, पायलट पार्टी के एसैट।

50 YEARS OF TRUST
SHETH BROTHERS BHAVNAGAR
नया कायम चूर्ण एडवांस
स्वादिष्ट ग्रेनुएल स्वरूप में
एरंड तेल और गुलाब पत्ती के गुणों के साथ
अब और भी अधिक असरदार
कब्ज एसिडिटी और गैस पर करे वार
• स्वादिष्ट जीरा फ्लेवर में
• नया एडवांस फोर्म्युला जो है कब्ज पर ज्यादा असरदार
• सही डोज के लिए मेज़रिंग स्पून
• दानेदार होने के कारण मुंह में नहीं चिपकता
• १००% आयुर्वेदिक, कोई साइड इफेक्ट्स नहीं
AYURVEDIC MEDICINE
KAYAM CHURNA
₹11/- OFF
ADVANCE GRANULES
USEFUL IN CHRONIC CONSTIPATION, ACIDITY, GAS ETC AND CAN BE TAKEN WITHOUT HARM
SHETH BROTHERS BHAVNAGAR
कायम चूर्ण और कायम टेबलेट भी उपलब्ध
Available At Medical Shops & Ayurvedic Stores
1mg
AVAILABLE NOW amazon
Toll Free Number : 1800 419 0807 : contact@kayamchurna.com